No. of Page : 4
No. of Q. : 18

नामांक ROLL NO. J - 301

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा, 2019-20

कक्षा - 11

विषय - हिन्दी अनिवार्य

समय : 3¼ घण्टे पूर्णांक : 70

नोट :- 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
2. प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित हैं।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-1×5=5

"नेकी कर दरिया में डाल" उक्ति शत-प्रतिशत चरित्रार्थ आज के सेवाभावी हर समर्पित व्यक्ति पर होती है; एक संस्था के मुख्या के रूप में व्यक्ति सब कुछ न्यौछावर करता है; मन कर्म वचन से हर पल अपने कुशल नेतृत्त्व क्षमता से अपनी संस्था को नई ऊँचाईयों तक ले जाता है; लेकिन कभी-कभी एक सरकारी आदेश उसके समर्पण की बुनियाद हिला देता है।

निष्काम भाव से कर्म करने वाला व्यक्ति इस पावन संकल्प के साथ जीवन में आगे बढ़ जाता है कि मेरे द्वारा रोपित आम का पौधा- किशोर मेरे पुरुषार्थ से हुआ है। लेकिन युगों तक भावी पीढ़ियों को शान्त शीतल छाया एवं फल देता रहेगा। कर्मयोगी की इस सन्तुष्टि में समष्टि का व्यापक भाव प्रबल है। यही हर संस्थान के उन्नायक का वास्तविक सम्बल है। जिसके कारण वह कभी भी कर्म यज्ञ से विमुख नहीं होता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ख) संस्थान को मुख्या किस तरह नई ऊँचाइयों तक ले जाता है?
(ग) संस्था प्रधान के समर्पण की बुनियाद कौन हिला देता है?
(घ) कर्मयोगी में किस बात की सन्तुष्टि होती है?
(ङ) समष्टि का व्यापक भाव उन्नायक के लिए क्या है?

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-5×1=5

वृक्ष संरक्षण प्रण अपनाएँ, निज जीवन सुखमय बनाएँ।
सभी जगह वृक्ष मित्र लगाएँ, धरा हरी भरी बन जाएँ।
वृक्ष सदैव मेघ बरसाएँ, जल संचय नियम अपनाएँ।
जल हेतु पसीना बहाएँ, श्रमकण से जगत् महकाएँ।
ऋतु बसन्त ले अंगड़ाई, फूलों से वसुधा सजाई।
गूँजत भ्रमर की शहनाई, मन में बढ़त प्रेम सगाई।

P.T.O.

रोके सदा पेड़ कटाई, होगी नहीं इसकी भरपाई।
मतलब की आरी चलाई, भू पर विषम विपदा आई।
प्रदूषण की करें विदाई, प्रकृति की बन्द हो तबाई।
यदि चाहतें जगत् भलाई, वन बचाव की हो लड़ाई।
कर्तव्य में रही ढिलाई, समझो बड़ी आफत आई।
क्लोरो फ्लोरो कप्टदाई, विषैली गैस प्रलय लाई॥
शुभ दिशा में कदम बढ़ाएँ, प्रत्येक जन पेड़ लगाएँ।
इन पर तन मन धन लुटाएँ, सब समस्या दूर भगाएँ।

(क) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।
(ख) अपना जीवन सुखमय बनाने हेतु क्या प्रण लेना होगा?
(ग) धरती किसके कारण सुन्दर होती है?
(घ) जगत् की भलाई के लिए हमें किसके लिए संघर्ष करना होगा?
(ङ) यदि हमने कर्तव्य में ढिलाई रखी तो उसके क्या परिणाम होंगे?

3 सरल वाक्य और मिश्र वाक्य में क्या अन्तर है? 1

4. यौगिक शब्द किसे कहते हैं? 1

5. निम्न शब्दों के तत्सम रूप लिखें- 2
आग, जीभ, प्यास, कान, हाथ

6. निम्नलिखित पंक्ति का भाव विस्तार कीजिए। 3
"धीरज धरम, मित्र अरु नारी, आपत काल परखिये चारी।"

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके पुनः लिखें।
(क) अरे सुख-दुःख तो हमारे जीवन के दो पहलु है। 1
(ख) गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है सियाराम मय सब जग जानी। 1

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबन्ध लिखो- 5
(क) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व
(ख) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम
(ग) कम्प्युटर एक वरदान - विविध उपयोग
(घ) राजस्थान के किसानों हेतु लाभकारी योजनाएँ

9. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 4

सत्संगति की महिमा कम से कम इस देश से अज्ञात नहीं रह गई है; और मैं तो व्याकुलता के साथ अनुभव कर रहा हूँ कि सत्संगति ने मेरे अन्तरतम को आलोकित कर रखा है। भीतर की आवाज केवल आदत का नतीजा है। इस खास ढंग से सोचने वाला आदमी उसी ढंग की आवाज सुना करता है, जिन लोगों की वाणी पर विश्वास करके आज तक चलता रहा हूँ वे ऐसा नहीं मानते।

अथवा

जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है तब फिर वह नहीं देखता कि वह कहाँ और कैसी जगह पैर रखता है। धीरे-धीरे उन बुरी बातों में अभ्यस्त होते होते तुम्हारी घृणा कम हो जाएगी। पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी। क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है? तुम्हारा विवेक कुण्ठित हो जाएगा और तुम्हें भले-बुरे की पहचान न रह जाएगी। अन्त में होते-होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे।

10. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 4

सर्वस्व करके दान जो चालीस दिन भूखे रहे,
अपने अतिथि-सत्कार में फिर भी न जो रूखे रहे।
पर तृप्ति कर निज-तृप्ति माने रन्तिदेव नरेश ने,
ऐसे अतिथि-सन्तोष कर पैदा किये किस देश ने।

अथवा

सतगुरु की महिमा अनन्त, अनन्त किया उपकार।
लोचन अनन्त उघाड़िया, अनन्त दिखावण हार॥
सतगुरु साँचा सूरिवाँ, सबद जु वाह्या एक।
लागत ही मैं मिलि गया, पड्या कलेवै छेक॥

11. निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखें- 2×3

(क) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने "फिर से सोचने की आवश्यकता है" निबन्ध में किस सन्देश को व्यक्त किया है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'हमारी कश्मीर यात्रा' शीर्षक यात्रावृत्त में राजस्थान और कश्मीर में प्राकृतिक परिवेश में तुलनात्मक अन्तर बताइए।

(ख) "पन्त प्रकृति के सुकोमल कान्त कवि है" इस कथन को पठित कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर की भाषा सधुक्कड़ी भाषा है- उन्हें भाषा के डिक्टेटर कहा जाता है--पठित दोहों के आधार पर कबीरदास की भाषागत विशेषताओं का विवेचन करें। सन्ध्या भाषा, खिचड़ी भाषा, पंचमेल भाषा के सन्दर्भ में।

12. निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 4×2

(क) "हरि! तुम हरो जन की भीर" कवि का भाव क्या है? विवेचना करें।

(ख) सिंध की गोद से छीनता रे शिशु कौन? इस पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

(ग) मान के साथ दिये गए विष को पीने वाले क्या घोषणा करते हैं?

(घ) डाकू खड़्ग सिंह बाबा भारती से घोड़ा प्राप्त कर लिया। इससे उसके जीवन में क्या परिवर्तन हुआ?

13. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' अथवा हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए। (१८९८-१९६१) 4

14. अतिलघूत्तरामक प्रश्नों के उत्तर दीजिएं- 2×1

(क) कबीर के ईश्वर का स्वरूप क्या है?

(ख) विश्वासपात्र मित्र हमारी मदद कैसे करेंगे?

15. निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए- 3

(क) 'देश भक्त' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'शरणदाता' कहानी के आधार पर जेबूनिशा का चरित्र चित्रण कीजिए।

16. निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों में से किसी तीन का उत्तर लिखो- 3×2=6

(क) मनोहर की कांपती हुई आवाज सुनकर सुरबाला पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

(ख) विधाता ने किन पाँच तत्त्वों से मनुष्य का निर्माण किया है?

(ग) 'ताई' कहानी से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

(घ) देवेन्द्र लाल लाहौर छोड़ते समय अपने साथ क्या-क्या लेकर गए?

17. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (कोई चार) 4×1½

(क) परम्परागत जनसंचार माध्यमों लोककाया का महत्त्व बताइए।

(ख) जन संचार के आधुनिक माध्यम कौन-कौन सै हैं?

(ग) सामान्यत: पत्र कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखें।

(घ) सोशल मीडिया के विभिन्न प्रकार कौन-कौन से हैं? नाम लिखें।

(ङ) पत्र लेखन क्यों आवश्यक है?

18. आप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बावड़ी के विद्यार्थी हो। खेल-कूद में एक अच्छे एथेलेक्टिक बनना चाहते हो। इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय धावक रज़ाक मोहम्मद से दो दिवसीय मार्गदर्शन हेतु जोधपुर क्रीड़ा स्थल गौशाला मैदान में शिविर आयोजन के लिए अपने प्रधानाचार्य से निवेदन करें। 3

अथवा

अपने विद्यालय में सन्दर्भ पुस्तकें मंगवाने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र के माध्यम से निवेदन करें।

❖❖❖